

COLLECTION : 2026



श्री हनुमान् चालीसा

[illegible]

टीपः- पावनशालायां वाजिकरां हवनं, विधानं कृतिं कथं। वायं शालायां तस्मिन् तस्मिन्, हवनं यथायुक्तं कुरु कुरु॥

MAJESTIC RAINBOW ROSE GOLD
CRYSTAL SHEET WALL CALENDAR
SIZE -28"X40"

Introducing Printman's Rainbow Rose Gold Crystal Sheet. Crafted from a special metalized material, this sheet boasts a luxurious Rainbow Rose gold hue.

Utilizing advanced 5-color UV offset printing technology, we add metallic effects for a stunning finish. Each sheet is meticulously packed with Red plastic rods and individual box for protection



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 * * * * *	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31
HOLIDAYS 2026 JANUARY - 1st Lohri - 14th Makar Sankranti - 23rd Baisakhi Panchang - 28th Republic Day FEBRUARY - 1st Holi Day - 15th Maha Shivaratri - 28th Holi Day MARCH - 2nd Holi - 3rd Chhundi - 21st Holi Day - 28th Ram Navami - 31st Mahavir Jayanti APRIL - 3rd Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday MAY - 1st Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday JUNE - 1st Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday AUGUST - 1st Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday SEPTEMBER - 1st Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday OCTOBER - 1st Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday NOVEMBER - 1st Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday DECEMBER - 1st Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday - 14th Good Friday					

AVAILABLE IN :

1501

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)



ॐ आरती श्री गणेश जी की ॐ

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वं कार्येषु सर्वदा॥

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा। माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥ जय० ॥
 एकदन्त दयावन्त, चार भुजा धारी। मस्तक सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी ॥ जय० ॥
 पान चढ़ें, फूल चढ़ें और चढ़ें मेवा। लड्डु-अन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ॥ जय० ॥
 अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया। बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥ जय० ॥
 सूरश्याम शरण आये सुफल कीजे सेवा। दीनन की लाजराखो शम्भु-सुत वारी ॥ जय० ॥
 कामना को पूरा करो जग बलिहारी। जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ॥ जय० ॥

AVAILABLE IN :

1502

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
 (Aarti)



AVAILABLE IN :

1503

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)



श्री लक्ष्मी चन्दता

महालक्ष्मि नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि ॥
हरिप्रिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं दयानिधे ॥
नमस्तेऽस्तु महामाये श्रीपीठे सुरपुणिते ॥
शंखचक्रगदाहस्ते महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
नमस्ते गरुडारुढे कोलासुरभयंक्षुरि ॥
सर्व पापहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
सर्वज्ञे सर्वेश्वरे सर्वदुष्ट भयंक्षुरि ॥
सर्वदुःखहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
सिद्धिबुद्धिप्रदे देवि भक्तिसमुत्तमप्रदायिनि ॥
मन्त्रपुत्रे सदा देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥

आस्तो श्री लक्ष्मी जी की

ओ३म् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता। तुमको निहादिन सेवत, हर विष्णु विधाता ॥ ओ३म् ॥
रमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता। सूर्य-चन्दमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ओ३म् ॥
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति-दाता। जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ॥ ओ३म् ॥
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभ दाता। कर्म-प्रमाण प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता ॥ ओ३म् ॥
जिस घर में तुम रहती, तहाँ सब सद्गुण आता। सब सम्भव हो जाता, मन नहीं धबहराता ॥ ओ३म् ॥
तुम विन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता। खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ॥ ओ३म् ॥
शुभ-गुण-मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता। रतन चतुर्दश तुम विन, कोई नहीं पाता ॥ ओ३म् ॥
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता। उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ॥ ओ३म् ॥
जहाँ तक चरण तेरे पहुँचे, घर शुभ हो जाता। मैं सेवक मैया की शुभ दृष्टि चाहता ॥ ओ३म् ॥

AVAILABLE IN :

1504

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)



श्री लक्ष्मी चन्दना

महालक्ष्मि नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि ।
हरिप्रिये नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं दयानिधे ॥
नमस्तेऽस्तु महाभावे श्रीपीठे सुरपुत्रिते ।
शंखचक्रगदाहस्ते महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
नमस्ते गरुडाकूडे कोलासुरभयंक्षुरि ।
सर्व पापहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
सर्वज्ञे सर्ववरदे सर्वदुष्ट भयंक्षुरि ।
सर्वदुःखहरे देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥
सिद्धिबुद्धिप्रदे देवि भक्तिमुक्तिप्रदायिनि ।
मन्त्रयुते सदा देवि महालक्ष्मि नमोऽस्तु ते ॥

आरती श्री लक्ष्मी जी की

ओ३म् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता । तुमको निहादिन सेवा, हर विष्णु विधाता ॥ ओ३म् ॥
रमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जय-माता । सूर्य-चन्दमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ओ३म् ॥
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति-दाता । जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता ॥ ओ३म् ॥
तुम पाताल-निरासिनि, तुम ही शुभ दाता । कर्म-प्रभाव प्रकाशित, भवनिधि की त्राता ॥ ओ३म् ॥
जिस घर में तुम रहती, तहें सब सदगुण आता । सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबरता ॥ ओ३म् ॥
तुम विन यज्ञ न होते, यज्ञ न कोई पाता । खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ॥ ओ३म् ॥
शुभ-गुण-मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता । रतन चतुर्दश तुम विन, कोई नहीं पाता ॥ ओ३म् ॥
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता । उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ॥ ओ३म् ॥
जहाँ तक चरण तेरे पहुँचे, घर शुभ हो जाता । मैं सेवक मैया की शुभ दृष्टि चाहता ॥ ओ३म् ॥

AVAILABLE IN :

1505

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)



AVAILABLE IN :

1506

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)



AVAILABLE IN :

1507

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)



महामृत्युन्जय मंत्र

ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिं वर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

भावार्थ :-

हम भगवान् शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक स्वास में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जाएँ, जिस प्रकार एक ककड़ी बेल में पक जाने के बाद उस बेल की संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार की बेल में पक जाने के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव के लिए मुक्त हो जाएँ और आपके घरवालों की अमृतत्वारा का पान करते हुए शरीर को त्वाग कर आप में लीन हो जाएँ।

मन्त्र लाभ :-

♦ यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल मृत्यु, दुर्घटना इत्यादि) ♦ यह मंत्र सर्व एवं विषय के कष्टों पर भी अपना पूरा प्रभाव रखता है।
♦ इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त करना। ♦ यह मंत्र हर शैवों की भगने का बड़ा शस्त्र है।



AVAILABLE IN :

1509

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Mahamritunjaya Mantra)



महामृत्युन्जय मंत्र

ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टि वर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

भावार्थ :-

हम ब्रह्मवान् शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो प्रत्येक स्वप्न में जीवन शक्ति का संचार करते हैं, जो सम्पूर्ण जगत् का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों से मुक्त कर दें, जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जाएँ, जिस प्रकार एक ककड़ी बेल में पक जाने के बाद उस बेल रूपी संसार के बन्धन से मुक्त हो जाती है उसी प्रकार हम भी इस संसार रूपी बेल में पक जाने के बाद जन्म-मृत्यु के बन्धनों से सदैव के लिए मुक्त हो जाएँ और आपके घरवालों की अमृतवारा का पान करते हुए शरीर को त्वाग कर आप में लीन हो जाएँ।

मन्त्र लाभ :-

- ♦ यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल मृत्यु, दुर्घटना इत्यादि)
- ♦ यह मंत्र सर्प एवं विषयु के काटने पर भी अपना पूरा प्रभाव रखता है।
- ♦ इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त करना।
- ♦ यह मंत्र हर शैवधारी को बगाने का बड़ा शस्त्र है।



AVAILABLE IN :

1510

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Mahamritunjaya Mantra)

जय
श्रीराम



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 + + + + + + +	6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	30 31 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

HOLIDAYS 2026 JANUARY - 13th Lohri - 14th Makar Sankranti - 23rd Baisakhi Panchang - 26th Republic Day FEBRUARY - 1st Pongal Day - 15th Maha Shivaratri - 25th Holi - 3rd Chaitra - 21st Holi Day - 25th Ram Navami - 31st Mahanavami
APRIL - 3rd Good Friday - 14th Good Friday - 14th Anantashay Jayanti MAY - 1st Buddha Purnima - 25th Vaisakhi - JUNE - 25th Mahanavami AUGUST - 15th Independence Day - 25th Ram Navami - 25th Ravana Jayanti
SEPTEMBER - 4th Janmashtami - 25th Anant Chaturdashi OCTOBER - 2nd Gandhi Jayanti - 20th Dussehra NOVEMBER - 8th Deepavali - 30th Govardhan Puja - 11th Bhagya Doo - 24th Guru Nanak Birthday DECEMBER - 25th Christmas Day

AVAILABLE IN :

1511

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)

जय
श्रीराम



श्री हनुमान चालीसा

श्रीगुरु परम गुरुदेव रज, निज मनु मुकुट गुह्यर ।				गुह्यर विष्णु जगु, जे दासक फल पारि ।। बुद्धिनि सनु जानिके, सुगति पवनकुमार । बल बुद्धि विद्या देनु भौर, हनु कलेश विचार ।।			
जय हनुमान प्रान नुन सागर ।	विष्णु रूप धरि विचरि दिखार ।	गुह्यर मन्त्र विधीन कन	नारी रोग हरे सब बीरा	गुह्यर भजन राम को पावे			
जय कपीस त्रिभुं लोक उदारार ।	विष्णु रूप धरि तन जखार ।	लोकेश्वर मरु सब जग जग	जगत विचार हनुमत बीरा ।	जगम जगम के दुख विचारार ।			
राम पुत अमुनिन बल - काम	वीर रूप धरि अमर संहार ।	जगु सारन जीवन पर बनु	संकट में हनुमान पुत्रपार ।	जग काल सुख मरु जग			
अजोनि, पुत्र पवनपुत्र नाम ।	रामरूप के काज संहार ।	सीले धरि मरु पवन जगु	मम जग बरन दास जी जग	जग जग हरि बल कहर ।			
महावीर विष्णु कलसी	सब रात्रीन जखन विचार ।	प्रभु बुद्धि कहे गुह्य मारि	सब घर राम लखी राख	और देवता बिल न खर ।			
सुमति विचार सुमति के संगी ।	श्री गुरुदेव हरति हर तरंग	जखी सीति मरु अखन मारि	जिनके काज सकन पुन साज	हनुमत सब सब गुह्य कर ।			
कथन बरन दिसाव सुबेसा	गुह्यनि कीन्ही बलु बहार ।	गुह्य काज जखन के जगे	और मनोबु जे कोई लखे	संकट कहे तिहे सब बीरा			
सखन सुखन सुखि केश ।	गुह्य मरु पिस बरलसि बल बर ।	गुह्य अनुपम गुह्यर रोग	कौन कति जीवन फल जगे	जे सुमति हनुमान करवीरा ।			
हनुम कहे जे जखन विरते	सखन बरुन गुह्यर जग बर ।	राम गुह्यर पुन रक्षार	घारों पुन पदमार गुह्यरा	जे जे जे हनुमान सोचई			
कीले मूल जेकर सार ।	जग कहे श्रीनि कट खरने	होत न आश विनु पसार	हे परबिंद जगत उल्लार	कुच करु मुक देव की नाई			
संकर गुह्यन केशरी नदन	सखकारि क ब्रह्मादि मुनीरा	सब गुह्य लहे गुह्यारी सख	सगु संत के गुह्य रक्षार	जे रात कर पात कर कोई			
सब प्रसाद प्राप्ता जग वष ।	सख सख सखि अखीरा	गुह्य सख कहे कर न ख	अगु रक्षिण राम गुह्यर	पुष्टि सी पाव गुह्य होई			
विचारन मुनी जति सागर	जग कहे विचारन जति ।	जखन रोग सगरी जग	अन विधि जे निज के जग	जे क ये हनुमान करीरा			
राम कल करिने को आगु ।	कहे कविदि कहे सब कही ।	सीले लोक होत ते जगे	अस सब रोग लखी बख	होत सिद्धि सासी मोरीरा			
प्रभु भौरि सुखि को संविदा	गुह्य उपकार गुह्यनि कीन्हा	मूल विष्णु विकट बडे आन	राम रामायन गुह्यर पासा	तुननीदास सदा हरि वेरा			
प्रभु लखन सीता मन सविदा	गुह्य विचार रात घर सीता	महावीर जय नाम सुगति	सदा रात गुह्यनि के दास ।	सीले नम हनुम बंद देरा ।			

टीका: पवनलखन संकट हनुम, बंगल भुति रूप । राम लखन सीता सहित, हनुम बराज भुव भुव ।।

AVAILABLE IN :

1512

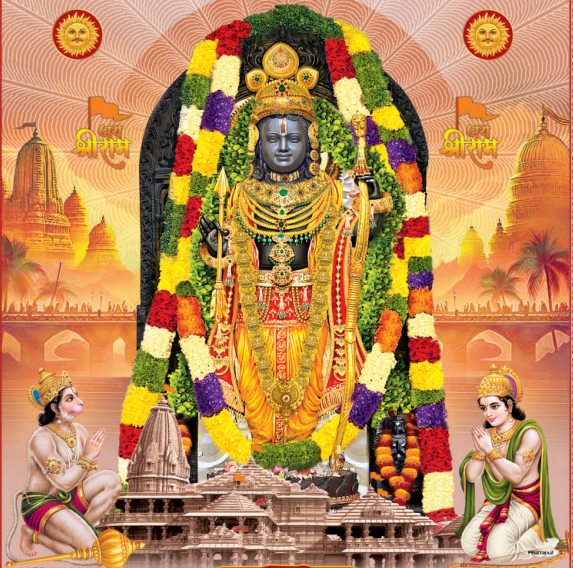
28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Hanuman Chalisa)



AVAILABLE IN :

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)

1513



आरती श्री राम लला की

आरती कीजै श्रीराम लला की॥ पूण निपुण धनुवेद कला की॥ धनुष बान कर सोहत नीके॥ शोभा कोटि मदन मद फीके॥
 सुभग सिंहासन आप बिराजै॥ वाम भाग वेदेही राजै॥ कर जोरे रिपुहन हनुमाना॥ भरत लखन सेवत विधि नाना॥
 शिव अज नारद गुन गान गावै॥ निगम नेति कह पार न पावै॥ नाम प्रभाव सकल जग जानै॥ शेष महेश गणेश बखानै॥
 भगत कामतरु पूरणकामा॥ दया क्षमा करुना गुन धामा॥ सुग्रीवहुँ को कपिपति कीन्हा॥ राज विभीषण को प्रभु दीन्हा॥
 खेल खेल महु सिंधु बधाये॥ लोक सकल अनुपम यश छाये॥ दुर्गम गढ लंका पति मारे॥ सुर नर मुनि सबके भय टारे॥
 देवन थापि सुजस विस्तारे॥ कोटिक दीन मलीन उधारे॥ कपि केवट खग निसचर करे॥ करि करुना दुःख दोष निवारे॥
 देत सदा दासन्ह को माना॥ जगत पूज भे कपि हनुमाना॥ आरति दीन सदा सत्कारे॥ तिहुपुर होत राम जयकारे॥
 कोसल्यादि सकल महतारी॥ दशरथ आदि भगत प्रभु आरी॥ सुर नर मुनि प्रभु गुन गन गाई॥ आरति करत बहुत सुख पाई॥
 धूप दीप चन्दन नैवेदा॥ मन दृढ करि नहि कवनव भेदा॥ राम लला की आरती गावै॥ राम कृपा अभित फल पावै॥

AVAILABLE IN :

1514

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)



JANUARY													
4	5	6	7	8	9	10							
11	12	13	14	15	16	17	18						
19	20	21	22	23	24								
25	26	27	28	29	30	31							

FEBRUARY													
1	2	3	4	5	6	7							
8	9	10	11	12	13	14	15						
16	17	18	19	20	21								
22	23	24	25	26	27	28							
29	30	31											

MARCH													
1	2	3	4	5	6	7							
8	9	10	11	12	13	14	15						
16	17	18	19	20	21								
22	23	24	25	26	27	28							
29	30	31											

APRIL													
5	6	7	8	9	10	11							
12	13	14	15	16	17	18	19						
20	21	22	23	24	25								
26	27	28	29	30									

MAY													
3	4	5	6	7	8	9							
10	11	12	13	14	15	16	17						
18	19	20	21	22	23								
24	25	26	27	28	29	30							

JUNE													
1	2	3	4	5	6								
7	8	9	10	11	12	13	14						
15	16	17	18	19	20								
21	22	23	24	25	26	27							
28	29	30											

JULY													
5	6	7	8	9	10	11							
12	13	14	15	16	17	18	19						
20	21	22	23	24	25								
26	27	28	29	30	31								

AUGUST													
30	31												
2	3	4	5	6	7	8							
9	10	11	12	13	14	15	16						
17	18	19	20	21	22								
23	24	25	26	27	28	29							

SEPTEMBER													
6	7	8	9	10	11	12							
13	14	15	16	17	18	19	20						
21	22	23	24	25	26	27							
28	29	30											

OCTOBER													
4	5	6	7	8	9	10							
11	12	13	14	15	16	17	18						
19	20	21	22	23	24								
25	26	27	28	29	30	31							

NOVEMBER													
1	2	3	4	5	6	7							
8	9	10	11	12	13	14	15						
16	17	18	19	20	21								
22	23	24	25	26	27	28							
29	30												

DECEMBER													
1	2	3	4	5									
6	7	8	9	10	11	12							
13	14	15	16	17	18	19	20						
21	22	23	24	25	26								
27	28	29	30	31									

HOLIDAYS 2026													
JANUARY - 15th Lohri - 14th Makar Sankranti - 23rd Baisakhi Panchang - 26th Republic Day	FEBRUARY - 1st Roli Day Jayant - 15th Maha Shivaratri - 2nd Hol - 3rd Chauland - 21st Udaipur Jayant - 26th Ram Navami - 31st Mahanav Jayant												
APRIL - 3rd Good Friday - 14th Baisakhi - 14th Anant Chaudas Jayant - 1st Badi Purnima	MAY - 1st Badi Purnima - 28th Mahanav Jayant - 28th Independence Day - 28th 54th Mahanav Jayant - 28th Raksha Bandhan												
SEPTEMBER - 4th Jannam Jayant - 25th Anant Chaudas	OCTOBER - 2nd Ganesh Jayant - 20th Dusshera - 28th Dusshera												
	NOVEMBER - 8th Desavuni - 18th Govardhan Puja - 11th Bhagya Day - 24th Guru Nanak Jayant - 25th Xmas Day												

AVAILABLE IN :

1515

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)



आदती श्री रामचन्द्र ली की

श्रीरामचन्द्र रघुपुत्राय राजवर्य राजेन्द्र राम रघुनायक राघवेस। राजाधिराज रघुन्दन रामचन्द्र दासोऽहमद्य भवतः शरणागतोऽस्मि ॥
 श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन, हरण भव भय दारुणम्। नवकंज लोचन, कंज-मुख कर-कंज पद-कंजारुणम् ॥१॥
 कन्दपे अगणित अमित छवि, नवनील-नीरद-सुन्दरम्। पटपीत मानहु तडित रुधि सुधि नीमी जनक सुता-वरम् ॥२॥
 भजु दीनबन्धु दिनेश दानव - दैत्यवंश - निकन्दनम्। रघुनंद आनदकंद कोशलचंद्र दशरथ - नन्दनम् ॥३॥
 सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम्। आजानु भुजा शर-चाप-धर संग्राम - जित - खर - दूषणम् ॥४॥
 इति वदति तुलसीदास शंकर - शेष - मुनि - मन - रजनम्। मम हृदय कंज निवास कुरु कामादि-खल-दल-गजनम् ॥५॥
 मन जाहि राघ्यो मिलहि सो वर सहज सुन्दर सांवरो। करुणा निधान सुजान शील स्नेह जानत रावरो ॥६॥
 एहि भांति असीस सुनी सिय सहित हिय हरषित अली। तुलसी भवनिहि पूजि पुति पुति मुदित मन मन्दिर चली ॥७॥

सोरठा- जानि गोरी अनुकूल सिय हिय हरपु न जाई कहि। मंजुल मंगल मूल याम अंग फरकन लगे ॥

AVAILABLE IN :

1516

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)



अयोध्या में सजा राम दरबार

राम जन्म भूमि, अयोध्या

आदती श्री रामचन्द्र जी की

श्रीरामचन्द्र रघुपुत्र-व राजवर्य राजेन्द्र राम रघुनायक राघवेश । राजाधिराज रघुन्दन रामचन्द्र दासोऽहमह भवतः शरणागतोऽस्मि ॥ १ ॥
 श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन, हरण भव भय दारुणम् । नवकंज लोचन, कंज-मुख कर-कंज पद-कंजदारुणम् ॥ २ ॥
 कन्दर्प अगणित अमित छवि, नवनील-नीरद-सुन्दरम् । पटपीत मानहु तडित रुचि सुचि नौमी जनक सुता-वरम् ॥ ३ ॥
 भजु दीनबन्धु दिनेश दानव - दैत्यवंश - निकन्दनम् । रघुनन्द आनन्दकंद कौशलचद्रं दशरथ - नन्दनम् ॥ ४ ॥
 सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम् । आजानु भुजा शर-चाप-धर संग्राम - जित - खर - दूषणम् ॥ ५ ॥
 इति वदति तुलसीदास शंकर - शेष - मुनि - मन - रजनम् । मम हृदय कंज निवास कुरु कामादि-खल-दल-गजनम् ॥ ६ ॥
 मन जाहि राघ्यो मिलहि सो वर सहज सुन्दर सांवरो । करुणा निधान सुजान शील स्नेह जानत रावरो ॥ ७ ॥
 एहि मांति असीस सुनी सिय सहित हिय हरषित अली । तुलसी भवनिहि पूजि पुनि पुनि मुदित मन मन्दिर बली ॥ ८ ॥

सोरठा- जानि गौरी अनुकूल सिय हिय हरषु न जाई कहि । मंजुल मंगल मूल वाम अंग फरकन लगे ॥

AVAILABLE IN :

1517

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)



आरती जय जगदीश हरे

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे, भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करें ॥ ॐ ॥
 जो ध्यावे फल पावे, दुःख बिन से मन का ॥ प्रभु ॥ सुख-सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का ॥ ॐ ॥
 मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी ॥ प्रभु ॥ तुम बिन और न दूजा, आस करूँ जिसकी ॥ ॐ ॥
 तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी ॥ प्रभु ॥ पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ॐ ॥
 तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता ॥ प्रभु ॥ मैं मूर्ख खल कामी, कृपा करो भर्ता ॥ ॐ ॥
 तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ॥ प्रभु ॥ किस विधि मिलूँ दयामय, तुमको मैं कुमति ॥ ॐ ॥
 दीन बन्धु दुःख हरता, तुम रक्षक मेरे ॥ प्रभु ॥ अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥ ॐ ॥
 विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ॥ प्रभु ॥ श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, सन्तान की सेवा ॥ ॐ ॥
 तन, मन, धन सब कुछ है तेरा ॥ प्रभु ॥ तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥ ॐ ॥

AVAILABLE IN :

1519

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)

राधे
राधे

राधे
राधे



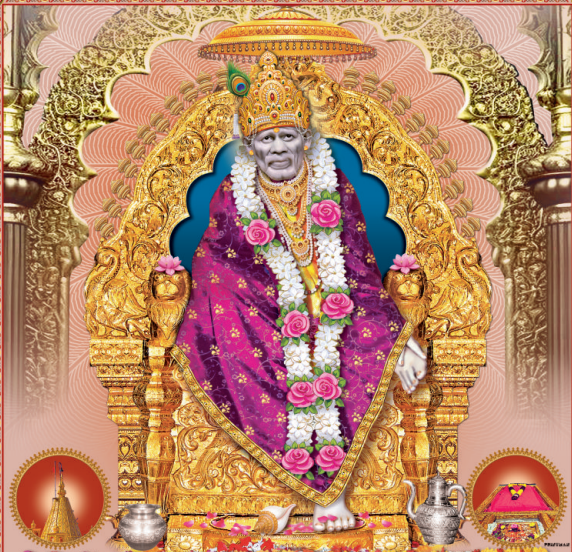
ॐ आस्ती जय जगदीश हरे ॐ

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे, भक्त जनो के संकट, क्षण में दूर करे ॥ ॐ ॥
जो ध्यावे फल पावे, दुःख बिन से मन का ॥ प्रभु ॥ सुख—सम्पत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का ॥ ॐ ॥
मात—पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी ॥ प्रभु ॥ तुम बिन और न दूजा, आस करूँ जिसकी ॥ ॐ ॥
तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी ॥ प्रभु ॥ पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ॐ ॥
तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता ॥ प्रभु ॥ मैं मूर्ख खल कामी, कृपा करो भर्ता ॥ ॐ ॥
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ॥ प्रभु ॥ किस विधि मिलूँ दयामय, तुमको मैं कुमति ॥ ॐ ॥
दीन बन्धु दुःख हरता, तुम रक्षक मेरे ॥ प्रभु ॥ अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥ ॐ ॥
विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ॥ प्रभु ॥ श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, सन्तान की सेवा ॥ ॐ ॥
तन, मन, धन सब कुछ है तेरा ॥ प्रभु ॥ तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥ ॐ ॥

AVAILABLE IN :

1520

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Aarti)



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 + + + + + + +	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

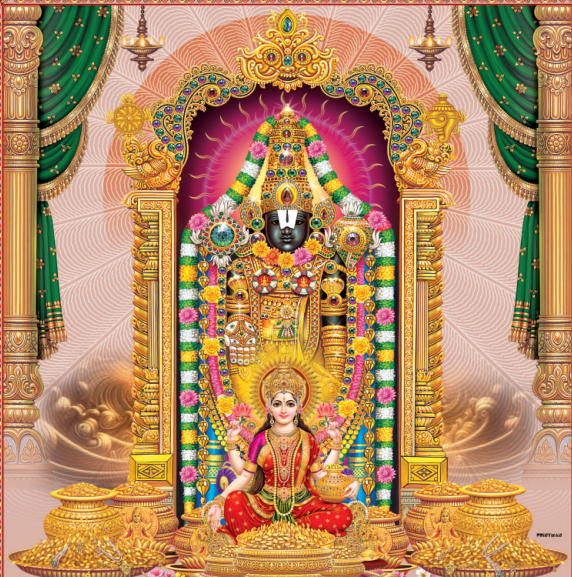
**HOLIDAYS
2026**

JANUARY - 15th Lohri - 14th Makar Sankranti - 23rd Basant Panchmi - 26th Republic Day FEBRUARY - 1st Raul Das Jayanti - 15th Maha Shivaratri - 2nd Holi - 3rd Chaitrad - 21st Usha Purnima - 26th Ram Navami - 31st Mahanavadi Jayanti
APRIL - 3rd Good Friday - 14th Good Friday - 14th Anantashay Jayanti MAY - 1st Buddha Purnima - 28th Usha Purnima JUNE - 28th Mahanavadi Jayanti - 28th Independence Day - 28th Usha Purnima - 28th Raksha Bandhan
SEPTEMBER - 4th Janmashtami - 25th Anant Chaitrad OCTOBER - 2nd Ganesh Jayanti - 20th Dusshera NOVEMBER - 8th Dusshera - 9th Govardhan Puja - 11th Bhadrapada - 24th Gauri Navami Birthday DECEMBER - 25th Christmas Day

AVAILABLE IN :

1521

**28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)**



JANUARY	FEBRUARY	MARCH	APRIL	MAY	JUNE
4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 +	8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
JULY	AUGUST	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER
5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29	6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

**HOLIDAYS
2026**

JANUARY - 13th Lohri - 14th Makar Sankranti - 23rd Baisakhi Panchang - 29th Republic Day FEBRUARY - 1st Ravi Das Jayanti - 15th Maha Shivaratri MARCH - 2nd Holi - 3rd Chhundi - 21st Usha Flor - 26th Ram Navami - 31st Mahanav Jayanti
APRIL - 3rd Good Friday - 14th Good Friday - 14th Anant Chaudas MAY - 1st Badi Purnima - 20th Usha Sankranti JUNE - 20th Mahanav AUGUST - 15th Independence Day - 20th Usha Flor - 25th Ravana Jayanti
SEPTEMBER - 4th Janmashtami - 25th Anant Chaudas OCTOBER - 2nd Gandhi Jayanti - 20th Dussehra NOVEMBER - 8th Deepavali - 30th Govardhan Puja - 11th Bhagya Dooj - 24th Guru Nanak Birthday DECEMBER - 25th X-Mas Day

AVAILABLE IN :

1522

**28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Date)**



ਜਪੁਜੀ ਸਾਹਿਬ

ੴ ਸਤਿਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਪੁਰਖ ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰੁ ਅਕਾਲ ਮੂਰਤਿ ਅਜੂਨੀ ਸੈਭੰ ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥ ਜਪੁ ॥
 ਅਵਤਿ ਸਬੁ ਦੁਗਾਇ ਸਬੁ ॥ ਹੋ ਕੀ ਸਬੁ ਨਾਨਕ ਹੋਸੀ ਕੀ ਸਬੁ ॥੧॥ ਸੋਧੇ ਸੋਧਿ ਨ ਹੋਵਈ ਸੇ ਸੋਧੀ ਲਖ ਯਾਰ ॥ ਚੁਪਿ ਚੁਪਿ ਨ ਹੋਵਈ ਜੇ ਲਾਇ ਰਹਾ ਲਿਖ ਯਾਰ ॥ ਰੁਖਿਯਾ
 ਭੂਖ ਨ ਚੁਕਈ ਜੇ ਬੇਨਾ ਪੁਰੀਆ ਯਾਰ ॥ ਸਭਾ ਸਿਰਾਕਯਾ ਲਖ ਹੋਇ ਤੇ ਰਿਕ ਨ ਖਲੇ ਨਾਲਿ ॥ ਰਿਕ ਸਹਿਯਾਯਾ ਹੋਈਐ ਰਿਕ ਭੁਭੇ ਭੁਭੇ ਪਾਲਿ ॥ ਹੁਕਮਿ ਰਜਾਈ ਚਲਣਾ
 ਨਾਨਕ ਨਿਰਿਯਾ ਨਾਲਿ ॥੨॥ ਹੁਕਮੀ ਹੋਵਹਿ ਅਕਾਲ ਤਖਤੁ ਨ ਰਹਿਯਾ ਜਾਈ ॥ ਹੁਕਮੀ ਹੋਵਹਿ ਸੰਗਿ ਹੁਕਮਿ ਮਿਲੇ ਭਵਿਯਾਈ ॥ ਹੁਕਮੀ ਚੁਕਤੁ ਨੀਤੁ ਹੁਕਮਿ ਲਿਖਿ
 ਦੁਖ ਸੁਖ ਪੁਰੀਅਹਿ ॥ ਰਿਕਾਨ ਹੁਕਮੀ ਚੁਕਤੀਐ ਰਿਕਿ ਹੁਕਮੀ ਸਭਾ ਭਵਾਈਅਹਿ ॥ ਹੁਕਮੀ ਯੋਗਹਿ ਸਭੁ ਕੇ ਧਾਰਹਿ ਹੁਕਮ ਨ ਕੋਇ ॥ ਨਾਨਕ ਹੁਕਮੀ ਜੇ ਭੁਭੇ ਤੇ ਚੁਕੀਐ ਚਾਨੇ ਨ
 ਕੋਇ ॥੩॥ ਗਾਏ ਕੇ ਰਾਣੁ ਹੋਇ ਰਿਕੇ ਰਾਣੁ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਰਾਣਿ ਜਾਣੇ ਨੀਰਾਣੁ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਗੁਣ ਭਵਿਯਾਈਆ ਧਾਰ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਰਿਹਿਯਾ ਰਿਹਿਯੁ ਭੀਖਾਰੁ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਸਾਹਿ
 ਕਰੇ ਰਣੁ ਮੋਹ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਰੀਸ ਲੇ ਰਿਹਿ ਮੋਹ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਰਾਪਿ ਰਿਕਿ ਦੁਹਿ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਭੰਪੇ ਰਾਖਾ ਰਾਖਾ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਭੰਪੇ ਰਾਖਾ ਰਾਖਾ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਭੰਪੇ ਰਾਖਾ ਰਾਖਾ ॥ ਗਾਏ ਕੇ ਭੰਪੇ ਰਾਖਾ ਰਾਖਾ ॥
 ਰੰਗਾ ਚੇ ਲੇਖੇ ਲਿਖਿ ਪਾਹਿ ॥ ਰੰਗਾ ਚੁਕਤੀਐ ਪਾਹੀ ਪਾਹਿ ॥ ਹੁਕਮੀ ਹੁਕਮੁ ਚਲਾਏ ਗੁਰੂ ॥ ਨਾਨਕ ਕਿਸੇ ਕੇਪਕਾਰੁ ॥੪॥ ਸਾਚਾ ਸਾਹਿਬੁ ਸਾਚੁ ਨਾਇ ਭਵਿਯਾ ਭਾਈ ਅਪਾਰੁ ॥
 ਅਪਾਰਿ ਮੋਹਹਿ ਹੋਇ ਹੋਇ ਲਾਇ ਕਰੇ ਰਾਖਾਰੁ ॥ ਭੋਗਿ ਰਿ ਅਗੈ ਰਹੀਐ ਰਿਹੁ ਰਿਕਿ ਰਹਾਰੁ ॥ ਜੁਹਿ ਰਿ ਬੇਲਣ ਬੇਲੀਐ ਰਿਹੁ ਰਿਕਿ ਪਿਆਰੁ ॥ ਅਰਿਹੁ ਬੇਲਾ ਸਬੁ ਨਾਈ
 ਭਵਿਯਾਈ ਭੀਖਾਰੁ ॥ ਰਹੀਐ ਅਗੈ ਰਾਖਾ ਨਾਈ ਸਿਉ ਚਾਹਾਰੁ ॥ ਨਾਨਕ ਭੋਏ ਜਾਈਐ ਸਬੁ ਅਪੁ ਸਹਿਯਾਰੁ ॥੫॥ ਭਾਖਿਯਾ ਨ ਲਾਇ ਭੀਤਾ ਨ ਹੋਇ ॥ ਆਪੇ ਆਹਿ ਨਿਰੰਜਨੁ
 ਸੋਇ ॥ ਰਹਿ ਸੋਧਿਯਾ ਰਿਹਿ ਪਾਖਿਯਾ ਮਾਨੁ ॥ ਨਾਨਕ ਰਾਖੀਐ ਰੁਕੀ ਨਿਕਾਰੁ ॥ ਗਾਵੀਐ ਰੁਕੀਐ ਮਨਿ ਰੁਕੀਐ ਭਾਈ ॥ ਚੁਪਿ ਪਰ ਹੋਇ ਸਬੁ ਅਰਿ ਲੇ ॥ ਸਾਹਿ ॥ ਗੁਰਮਤਿ ਨਾਈ
 ਗੁਰਮਤਿ ਕਾਈ ਗੁਰਮਤਿ ਰਹਿਯਾ ਸਾਈ ॥ ਗੁਰੂ ਰੀਸਹੁ ਰਹੁ ਗੋਬਿੰਦੁ ਰਾਮਾ ॥ ਜੇ ਰਹਿ ਜਾਣਾ ਆਪਾ ਨਾਈ ਰਹਣਾ ਰਹਣਾ ਨ ਜਾਈ ॥ ਗੁਰੂ ਰਿਕਿ ਹੋਇ
 ਰੁਖਾਈ ॥ ਸਭਾਨਾ ਰਹਿਯਾ ਰਾ ਰਿਹੁ ਚਾਣਾ ਸੇ ਸੇ ਰਿਹਿਯਾ ਨ ਜਾਈ ॥੬॥

AVAILABLE IN :

1523

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Japuji)

786

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ○ اِنَّا نَحْنُ الْغَفُورُ

[illegible]

سچ کہا اللہ نے جو عظمت والا ہے

اس کی بادشاہی (اور علم) آسمانوں اور زمین سب پر حاوی ہے اور اسے انکی حفاظت کچھ بھی دشوار نہیں۔ وہ بڑا عالی مرتبہ اور جلیل القدر ہے۔

1524

28" x 40" (Rainbow Rose Gold Crystal)
(Muslim)